पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- मार्च, 2024

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**:
अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत मामले आदि**:
शून्य।

3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित "अभियोजन के लिए स्वीकृति" के मामले**:
शून्य।

4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**:
शून्य

5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**
विशेष अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों में फरवरी 2024 के महीने के दौरान स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।

6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**
मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया। 26 दिसंबर, 2023 को पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद के संगम ज्ञापन तथा नियम-विनियम के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार के तहत सोसायटी के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अम्ब्रेला स्वायत्तशासी सोसायटी 'पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद' का पंजीकरण कर दिया गया है।

7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**
समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:**
इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति (एसीसी) के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली (एवीएमएस) पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है**:
इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

10. **माह के दौरान पास कर दिए गए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति** :
लागू नहीं।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- डॉल्फिन नोज, विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (NCCR) की तटीय अनुसंधान प्रयोगशाला (CRL) का उद्घाटन माननीय केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी (HMoES) द्वारा 12 मार्च 2024 को किया गया था।
- माननीय केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी ने 12 मार्च 2024 को सिलखेड़ा, भोपाल, मध्य प्रदेश में भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) की "एटमॉस्फियरिक रिसर्च टेस्टबेड (ART) सुविधा" का उद्घाटन किया।
- राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) के अटल सेंटर फोर ओशन साइंस एंड टेक्नॉलोजी फोर आइलैंड्स (ACOSTI) में समुद्री मछलीपालन सुविधा का शिलान्यास माननीय केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी द्वारा किया गया।
- माननीय केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी ने 5 मार्च, 2024 को IMD के मुख्य द्वार पर सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन किया।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) ने ब्लू इकोनॉमी पाथवेज़ अध्ययन रिपोर्ट की स्थिति पर एक परामर्शी कार्यशाला का आयोजन किया। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए प्रत्येक संबद्ध मंत्रालय की सहयोगात्मक भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए विश्व बैंक के विशेषज्ञों, विभिन्न संबंधित मंत्रालयों जैसे सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, नीति आयोग, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय तथा विभिन्न राज्यों और राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संगठनों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 1 मार्च, 2024 को तापमान और वर्षा के लिए मासिक आउटलुक जारी किया। इस आउटलुक की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

    1) आगामी गर्मी की ऋतु (मार्च से मई) के दौरान, देश के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।
    2) मार्च 2024 के दौरान पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य से अधिक (एलपीए का 117%) है।

- NIOT द्वारा सतह पर जहाज और गहरे पानी में मानवयुक्त पनडुब्बी के बीच अंतर-वैयक्तिक संचार के लिए स्वदेशी रूप से विकसित अंडरवाटर एकॉस्टिक टेलीफोन (UAT) का समुद्र में 500 मीटर की गहराई तक सफलतापूर्वक डिजाइन, विकास और प्रदर्शन किया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 22 मार्च 2024 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के महिका हॉल में 'ऑन दी फ्रंटलाइन ऑफ क्लाइमेट एक्शंस' विषय पर विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) दिवस मनाया।
- उत्तर प्रदेश में प्रेक्षण नेटवर्क के विस्तार के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर 8 मार्च 2024 को हस्ताक्षर किए।
- देश में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों की योजना बनाने के संबंध में दोनों एजेंसियों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मौसम और जलवायु संबंधी जानकारी साझा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और IMD के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (NCMRWF) तथा कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CUSAT) ने वैज्ञानिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) ने 29 फरवरी 2024 को अमेरिकी वाणिज्य दूतावास, हैदराबाद के अधिकारियों की मेजबानी की।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के दल ने आईएसए, किंग्स्टन, जमैका में अन्वेषण अधिकारों के लिए दो नए क्षेत्रों (पीएमएस और कोबाल्ट क्रस्ट) की तलाश के लिए आईएसए को प्रस्तुतिकरण दिया।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ईमेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क</u>

प्रेक्षण का प्रकार	**अब तक चालू किए गए**	**महीने के दौरान स्थापित।**	**डेटा रिपोर्टिंग।**
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*549	--	549
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	**527	--	527
एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	188
ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) सोंडे आधारित रेडियो सोंडे (आरएस)/रेडियो विंड (आरडब्ल्यू) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	***41	--	33
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	02	--	02
सतह ओजोन (<u>विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल</u> विधि)	09	--	06
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च) (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	4924
विमानन	101	--	101
रेडिएशन स्टेशन	47	---	47

* स्थापित किए गए कुल 808 में से 259 पुराने हैं।
** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 855 पुराने हैं।
***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।
****फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

मार्च, 2024 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक मौसम केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के अंतिम गुरुवार अर्थात् 28 मार्च, 2024 को अप्रैल, 2024 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी प्रयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (मार्च 2024)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महत्वपूर्ण घटनाएं

पश्चिमी विक्षोभ(WD):

कुल 7 पश्चिमी विक्षोभ (1-3, 5-9, 9-13, 12-15, 18-21, 20-23 और 25-31 मार्च के दौरान) के कारण पश्चिमी हिमालयी राज्यों और उत्तर पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों में 1-3 दिनों के लिए बारिश/बर्फबारी हुई। 7 पश्चिमी विक्षोभों में से 5 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय थे तथा इनके कारण उत्तर और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में बारिश/गर्ज के साथ तूफान और ओलावृष्टि हुई।

लू और गर्म दिवस का परिदृश्य:

महीने के आखिरी सप्ताह में अधिकांश दिनों के दौरान प्रायद्वीपीय भारत और आसपास के पश्चिम मध्य भारत में मुख्य रूप से शुष्क मौसम रहने के कारण, इन क्षेत्रों के कुछ भागों में अधिकतम तापमान बढ़ गया, जिससे इस ऋतु की पहली लू की स्थिति बनी। इस स्थिति को 28 और 29 मार्च को मध्य प्रदेश में और 29 मार्च को पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग भागों में देखा गया।

पूर्व-पश्चिम द्रोणी:

बिहार से दक्षिण असम तक पूर्व-पश्चिम द्रोणी तथा मध्य और उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने प्रति-चक्रवात से निकलने वाली नमी के साथ निचले स्तर की पवनों के कारण 3-5 दिनों के नियमित अंतरालों पर पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में बारिश हुई।

ख) वर्षा परिदृश्य:

मार्च 2024 माह में, पूरे देश में 28.5 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 29.9 मिमी का 95 % है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारीवर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 306
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे	96
दिन 2/48 घंटे	96
दिन 3/72 घंटे	96

घ) तापमान परिदृश्य:

मार्च -2024 माह में देश में समग्र रूप से औसत तापमान 24.92 डिग्री सेल्सियस था, जो कि सामान्य तापमान से 0.21 डिग्री सेल्सियस अधिक था। माह के दौरान, देश के मैदानी भागों में अधिकतम तापमान दिनांक 27 मार्च, 2024 को अकोला (विदर्भ) में 42.8 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान दिनांक 4 मार्च, 2024 को पिलानी (पूर्वी राजस्थान) और करनाल (हरियाणा) में 6 मार्च 2024 को 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ङ) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं:

माह के दौरान (माह की अंतिम तारीख को भारतीय मानक समय 08:30 बजे तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं नीचे तालिका में दी गई हैं:

क्र.सं.	क्षेत्र	तूफान वाले दिन	ओलावृष्टि की घटनाएं	गरजने की घटनाएँ	धूल भरी आंधी
1.	दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत	10	शून्य	शून्य	शून्य
2.	उत्तरी पश्चिमी भारत	21	5 (1,2,3,19,30 मार्च)	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	9	शून्य	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	19	3 (21,25,31 मार्च)	4 (13,15,25,31 मार्च)	शून्य
5.	मध्य भारत	16	3 (17,18, 19 मार्च)	शून्य	शून्य
6.	पश्चिमी भारत	5	1 (16 मार्च)	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:

अखिल भारत मौसम बुलेटिन: 124, अखिल भारत में प्रतिकूल मौसम अनुमान और चेतावनियां: 124, संपूर्ण भारत में साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट: 4, अगले 5 दिनों तक साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के साथ दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम पूर्वानुमान: 31, अगले पांच दिनों के लिए साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के अनुमान के साथ साप्ताहिक विस्तारित अवधि आउटलुक: 4, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के उप-कार्यालयों की परामर्शिकाओं (6 घंटे पर) सहित अगले 5 दिनों के लिए उत्तरी हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनियां: 124, अगले 12 घंटों के लिए भारतीय नौसेना हेतु फ्लीट पूर्वानुमान: 62, वैश्विक समुद्री आपदा सुरक्षा प्रणाली के तहत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए अगले 36 घंटों के लिए बुलेटिन: 62, तत्काल पूर्वानुमान दिशानिर्देश के लिए विषम मौसम परामर्शिका बुलेटिन: 31, एफडीपी स्टॉर्म बुलेटिन: 31, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए पर्वतीय मौसम बुलेटिन: 62, उत्तर भारत के लिए जारी अखिल भारतीय बहु- संकट शीतकालीन मौसम चेतावनी बुलेटिन: 31, वर्तमान तापमान स्थिति और चेतावनी बुलेटिन: 31, माह के दौरान जारी प्रेस विज्ञप्ति: 46

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें:

1. माह मार्च 2024 की अल - नीनो - दक्षिणी दोलन (ENSO) बुलेटिन तथा मार्च से जून 2024 माह के लिए दक्षिण एशिया हेतु ऋतुनिष्ठ जलवायु पूर्वानुमान जारी किए गए (क्लिकलिंक: https://imdpune.gov.in/cmpg/Product/ENSO_Bulletin/ENSO_IOD_Update_Bulletin_03_24.pdf
2. फरवरी 2024 के महीने के लिए जलवायु सारांश जारी किया गया।

3. दिसम्बर 2023 माह और मानसून पश्चात ऋतु के लिए क्लाइमेट डायग्नोस्टिक बुलेटिन को प्रकाशित कर वेबसाइट पर अपलोड किया गया।
4. कडप्पा हवाई अड्डे (RWY 11) पर 4 से 8 मार्च, 2024 तक PWD सिस्टम स्थापित किया गया था। ATC टॉवर पर विंड सेंसर को भी अल्ट्रासोनिक विंड सेंसर से बदल दिया गया और सेवा योग्य बनाया गया।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपी केन्द्र	157	131

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:
भारतीय क्षेत्र में 188 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 43 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।

सुनामी:
इस माह के दौरान सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाला 1 समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता का) आया।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	माह के दौरान तक आरंभ किये गये	माह के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स	115	72
मूरेड उत्प्लव	19	15
टाइड गॉज	36	34
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	8
एकॉस्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	5
वेव राइडर बुयो	16	12

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं.	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिका (समुद्र सतह का तापमान (SST), क्लोरोफिल, पवन)।	29
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	11
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF)-लहर, पवन, धाराएं, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	29
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	29
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच एवं जागरुकता

- दिनांक 19 मार्च 2024 को भुवनेश्वर, ओडिशा में सुनामी तैयारी पहचान कार्यक्रम (TRRP) आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इंकॉइस (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय), हैदराबाद, और ओडिशा राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (OSDMA) द्वारा एक संयुक्त पहल थी, इसे UNESCO TRRP हेतु 24 अतिरिक्त गांवों को तैयार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा मान्यता प्रदान की गई थी।
- इंकॉइस ने :
    - भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट, अंडमान एवं निकोबार दीपसमूहों के लिए एक सौ चौवन (154 ऊंची लहर / महातरंग महोर्मि चेतावनी / अशांत सागर चेताविनयां जारी की।
    - हिंद महासागर के लिए (i) संख्यात्मक समुद्री पवन पूर्वानुमान (पवन और भंवर) और (ii) वैश्विक संख्यात्मक समुद्री पूर्वानुमान (धारा, सामान्य तापमान और निरपेक्ष लवणता) के लिए क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम पूर्वानुमान केंद्र (RSMC) को उनतीस (29) दिनों का पूर्वानुमान जारी किए।
    - इंकॉइस ने साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF) के लिए साप्ताहिक अपडेट्स प्रदान किए, जिसमें हिंद महासागर की समुद्री स्थिति के संबंध में विगत सप्ताह की ब्रीफिंग तथा आगामी सप्ताह में पूर्वानुमान की जानकारी (लहर, पवन, धारा, तरंग, समुद्री सतह का तापमान) शामिल हैं।
    - सत्ताईस (27) दिनों की ऐल्गल ब्लूम सूचना सेवा जारी की गई तथा 2 दिवसीय अलर्ट सृजित किए।
    - इंकॉइस की वेबसाइट पर शिपिंग मार्ग और सर्च एंड रेस्क्यू ऐड टूल (SARAT) परामर्शिकाओं के साथ पूर्वानुमान के लिए ऑनलाइन एपलीकेशनों के लिए पंजीकरण करने और उनका प्रयोग करने का विकल्प है। इस माह शिप मार्ग सहित पूर्वानुमान हेतु पंजीकृत उपयोगकर्ता - एक (1) तथा SARAT सेवाओं हेतु पंजीकृत उपयोगकर्ता सात (7) है।
- विभिन्न महाविद्यालयों / संस्थानों / विश्वविद्यालयों / विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस) तथा आईआईटीएम का दौरा किया।
- भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान पर एक सुग्राह्यता पाठ्यक्रम हेतु दिनांक 04-05 मार्च 2024 के दौरान NCMRWF का दौरा किया।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय एवं इसके संस्थानों में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किया गया है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए थे।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनियां फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब सहित सोशल मीडिया एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 2023 - फरवरी 2024	मार्च 2024	कुल	अप्रैल 2023 - फरवरी 2024	मार्च 2024	कुल
वायुमण्डलीय विज्ञान	**153**	13	**166**	**12**	0	**12**
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	**97**	9	**106**	**4**	0	**4**
ध्रुवीय विज्ञान	**28**	4	**32**	**1**	0	**1**
भूविज्ञान एवं संसाधन	**56**	8	**64**	**5**	1	**6**
कुल	**334**	**34**	**368**	**22**	**1**	**23**

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

जलपोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	26	5	2
सागर मंजूषा	12	19	2
सागर तारा	21	10	1
सागर अन्वेषिका	0	31	0
सागर कन्या	0	31	0
सागर सम्पदा	25	6	2

अनुलग्नक II

एमओईएस/20/01/2017-स्थापना (e-7107)
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोधी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: 10 अप्रैल, 2024

प्रमाण पत्र

(माह मार्च 2024 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति मार्च, 2024 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-12
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-00
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-02

(धरकत आर. लुइकेंग)
उप सचिव
dharkat@nic.in